

भूकंप

भयभीत न हों ... जानकारी रखें,
क्या करें:
भूकंप से पहले, भूकंप के दौरान
और भूकंप के बाद



क्या करें.....? क्या न करें.....?

भूकंप से पहले

- अपने क्षेत्र के भूकंपीय वर्गीकरण की जानकारी रखें।
- अपने मकान का निर्माण करते समय सुनिश्चित करें कि वह आपकी सुरक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। यह देखें कि आपकी इमारत को भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) (IS:18932002) की संहिताओं द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप डिजाइन एवं निर्मित किया गया है।
- अपने पुराने मकान की सिविल इंजीनियर से जाँच करायें तथा बताये गये परामर्शों पर इंजीनियर की निगरानी में अमल करें।
- अपने निवास स्थान पर सुरक्षित स्थानों, जैसे कि मजबूत मेज, डेस्क के नीचे या अन्य सुरक्षित स्थान का चयन करें, जहाँ पर भूकंप के दौरान आसानी से पहुंचा जा सके। इन जगहों पर “झुको, ढको और पकड़ो” पर कम से कम महीने में एक बार अभ्यास जरूर करें।
- भूकंप के बारे में आधारभूत सुरक्षा, सावधानियाँ इत्यादि सीखने के लिए घर, स्कूल या कार्यस्थल में बैठक/संगोष्ठी का आयोजन निरन्तर रूप से करें।
- अपने घर पर भूकंप आपातकालीन किट अवश्य रखें। इसमें कम से कम तीन दिनों के लिए खाद्य सामग्री तथा अपनी सुरक्षा से जुड़ी सभी आवश्यक वस्तुएँ शामिल हों।
- भूकंप का पूर्वानुमान लगाना संभव नहीं है। अतः अफवाहों पर ध्यान न दें और ना ही उन्हें फैलाएं।

भूकंप के दौरान

- भयभीत न हों, शांत रहें।
- भूकंप के दौरान फर्श पर झुक कर किसी मजबूत मेज या डेस्क के नीचे शरण लें तथा इसे कस कर पकड़ लें। कम्पन रुकने तक वहीं प्रतीक्षा करें।
- अगर आप बाहर हैं तो खुली जगह पर जायें व इमारतों, पेड़ों, तंग गलियों और बिजली के खम्बों व तारों से दूर रहें। खुली जगह पर ही रहें जब तक कम्पन रुक न जाए।
- अगर आप वाहन में हैं तो खुली जगह पर वाहन रोकें और वहीं पर रहें, जब तक कम्पन रुक न जाए। क्षतिग्रस्त हो गए पुलों/फ्लाईओवर को पार करने की कोशिश न करें।
- अगर आप संरचना की दृष्टि से मजबूत इमारत में हैं तो वही रहें। यदि किसी पुराने कमजोर भवन में हैं तो निकटतम एवं सुरक्षित रास्ते से बाहर निकलें।
- यदि आप तटीय क्षेत्र में हैं, तो सुरक्षित स्थान पर जायें और सुनामी चेतावनी का पालन करें। (अधिक विवरण के लिए www.incois.gov.in में देखें)
- यदि आप पहाड़ी क्षेत्रों में हैं, तो सतर्क रहें। भूस्खलन होने एवं चट्टानों के गिरने के स्थान से दूर हो जाएं।

भूकंप के बाद

- अपनी व दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें। घायलों को चिकित्सा सेवा प्रदान करने का प्रबंध करें।
- रेडियो/टीवी द्वारा आवश्यक सूचना एवं निर्देश प्राप्त करें एवं उनका पालन करें।
- टूटी हुई बिजली या गैस लाइनों की जाँच करें और क्षतिग्रस्त क्षेत्रों से बाहर रहें।
- अति तीव्र कम्पन के पश्चात, पश्चातवर्ती झटकों के लिए तैयार रहें।
- आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त इमारतों में प्रवेश नहीं करें। बाद के बड़े झटकों से इमारतों को और क्षति हो सकती है तथा कमजोर इमारतें ढह सकती हैं।
- क्षतिग्रस्त क्षेत्र में घूमने फिरने के लिए अपना दुपहिया वाहन/कार का इस्तेमाल नहीं करें। क्योंकि इससे बचाव एवं राहत कार्यों में बाधा उत्पन्न होती है।
- अगर आपके लिए अपना घर खाली करना अनिवार्य है तो आप जहाँ जा रहें हैं उस स्थान की जानकारी का संदेश छोड़ें।
- नुकसान का मूल्यांकन करें एवं संरचना इंजीनियर की देखरेख में मरम्मत कार्य करायें।



हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण,

सर्व विभाग-आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में ज

राज्य आपदा प्रबंधन हैल्पलाइन (टॉल फ्री) – 1070

Email: sdma-hp@nic.in, Website: www.hpsdma.nic.in, Follow us: www.facebook.com/sajaghimachal

